अब जबकि आप नये जन्में है

क्रिस औयाखिलोमे

इस खंड में सभी वचन उद्धरण बायबल के किंग जेम्स अनुवाद से लिए गए है, यदि ऐसा नही है तो बता दिया गया है।

आई एस बी एन

प्रकाशक: लववर्ल्ड प्रकाशन सेवकाई
कॉपी राईट © 2005

Published by: LoveWorld Publishing
3, Adebayo Akande Street, Oregun, Ikeja, Lagos, Nigeria.
Email: info@loveworldbooks.org
Website: www.loveworldbooks.org

लववर्ल्ड पब्लिशिंग मिनिस्ट्री के पास सभी अधिकार आरक्षित। बी एल डब्ल्यू इंकॉर्पोरेटेड की लिखित अनुमति के बिना पूर्ण या आंशिक पुन: उत्पादन करना गैर कानूनी है।

विषय सूची

१.	वास्तविक आप	७
२.	आप एक नई सृष्टि है	११
३.	आपके पास परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है!	१३
४.	आप परमेश्वर की सत्यनिष्ठा है!	१७
५.	आप निर्दोष है!	१९
६.	आप पवित्र है!	२१
७.	आप छुडाए गए है!	२३
८.	परमेश्वर का आत्मा आपमें रहता है!	२५
९.	जब गलत विचार आपके दिमाग में आते है तब आप क्या करे?	२७
१०.	जब पुराने मित्र आपको निरूत्साहित करने की कोशिश करते है तब आप क्या करते है?	३५
११.	जब सताव और परेशानी आती है तब आप क्या करते है?	४१
१२.	पवित्र आत्मा और आप!	४७
१३.	क्या आपको चर्च अवश्य जाना चाहिए?	५५

हे प्रियो,

अनंत उद्धार के मुफ्त उपहार के लिए बधाई, जिसे आपने यीशु मसीह को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के द्वारा ग्रहण किया।

मै आपसे उन सच्चाईयों को बाँटना चाहता हूँ जोकि मसीह विश्वास के लिए मूलभूत है; सच्चाईयॉ, जिन पर आप मसीह में एक मजबूत और जोशपूर्ण जीवन बना सकते है। परिश्रमी रूप से इस सामग्री का अध्ययन करो और यह आपके लिए एक अनंत फसल उत्पन्न करेगा।

मै प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर आपको अपने ज्ञान में बुद्धि और प्रकटीकरण की आत्मा देगा; कि आपकी समझ की आँखे यह समझने के लिए प्रकाशमान हो कि वह आशा कितनी बडी है जिसके लिए उसने आपको बुलाया है; और तुम उन सभी वस्तुओं को जानो जो मसीह में तुम्हें मुफ्त रूप से दी गई है, आमीन।

यह सामग्री आपकी सहायता करेगी मसीह में अपना नया जीवन शुरुवात करने में । जैसे ही आप इसका अध्ययन करते है, वैसे ही अपनी बायबल में देखो और स्वयं ही वचनों का अध्ययन करो।

मै विश्वास करता हूँ कि इसमें संग्रहित वचन आपके जीवन को बदल देंगे और परमेश्वर के वचन के सिद्धांतों के अनुसार आपके भविष्य को आकार देने में सहायता करेगें।

परमेश्वर आपको महान रूप से आशिष दे, यीशु के नाम में, आमीन।

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

१

वास्तविक आप

आप उस शरीर से कही अधिक है जो आप देखते हैं। आप उस खोल से कही अधिक है जिसमें आपकी इंद्रियाँ (आपकी देखने, सुनने, छूने, स्वाद और खुशबु की इंद्रियाँ) रहती है। आपके अंदर, वहाँ कुछ हैं, वास्तव में, कोई आपके शरीर से कहीं अधिक। यह आपकी मानवीय आत्मा है, और वही वास्तविक आप हैं।

यही आंतरिक मनुष्य है जिसे बायबल (१ पतरस ३:४) में परिभाषित करती हैं, *"वरन् इसे तुम्हारे हृद्वय का छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व होने दो, नम्रता और मन की दीनता का अविनाशी मनुष्य . . ।"*

जब एक मनुष्य का शरीर मरता है, तो उसकी आत्मा जीवित रहती है। वह अब भी उतना ही मानवीय व्यक्ति हैं जितना वह उसके मरने के पहले था, उसने कुछ नहीं खोया हैं इसके बजाय कि वह भौतिक विश्व में कार्य करने की योग्यता खो चुका हैं। हो सकता हैं कि उसका शरीर मरा हुआ हैं किंतु वास्तविक व्यक्ति, आत्मिक व्यक्ति, अब तक उसके पास वो सभी चेतनाएँ हैं जो उसके पास उसके मरने के पहले थी।

यीशु मसीह ने लूका के १६ अध्याय में दो आदमी जो मर चुके थें उनके विषय में एक कहानी बतायी। उनमें लाजर नाम का एक भिखारी था। ध्यान देने वाली बात यह नहीं थी कि वह एक भिखारी था, किंतु यह कि यद्यपि वह गरीब था, तो भी उसके पास एक सत्यनिष्ठ हृद्य था। जब वह मरा, तो उसे अब्राहम की गोद में ले जाया गया था। दूसरा आदमी भी मर चुका था। वह आदमी विश्व में अमीर व्यक्ति था, किंतु उसने एक सत्यनिष्ठ जीवन नहीं जीया था।

ध्यान दे कि जब वह मरा, तो उसका शरीर पृथ्वी पर गाढ़ा गया था, किंतु यीशु ने कहा कि नरक में, उसने अपनी आँखों को उठाया और देखा लाजर अब्राहम की गोद में था और उसने लाजर को पहचाना। इसका अर्थ हैं कि वह अब भी वह देख सकता था। तब उसने अब्राहम को पुकारा और कहा, "कृपया मेरी सहायता करो। "

आपने देखा, वह अब भी बात कर सकता था। अब्राहम ने उसे उत्तर दिया और उसने अब्राहम की आवाज सुनी, समझाते हुए कि वह तब भी सुन सकता था।

अमीर आदमी ने यह भी कहा कि वह प्यासा था, और ना केवल वह प्यासा था, वह तकलीफ में था। इसलिए उसने भीख माँगी, "कृपया लाजर को आने दो और मेरी प्यास बुझाने के लिए मुझे पानी की एक बूँद को देने दो। " वहाँ पर अब भी एक दूसरा बिंदु हैं ध्यान देने के लिए- वह अब भी महसूस कर सकता था।

उसकी सभी इंद्रिया अब भी वैसे ही काम कर रही थी। वास्तव में, यहाँ तक कि वह वस्तुओं को याद रख सकता था क्योंकि उसने कहा, "कृपया मरे हुओं में से किसी को मेरे भाईयों को जाकर सुसमाचार सुनाने के लिए भेजो। " पृथ्वी पर उसके पाँच भाई थे, इसलिए उसने सोचा, "हो सकता है यदि मरे हुओ में से कोई उनके पास जाए, तो वे उस पर विश्वास करेगें। " उसे उसके भाई याद थें!

यह आपको बताता हैं कि मनुष्य की आत्मा जीवित रहती है। और जब एक मनुष्य नया जन्मा है, यह आपकी मानवीय आत्मा है जो नई जन्मी है!

२कुरिंथियो ५:१७-१८ कहता है,

"इसलिए यदि कोई मसीह में हैं, तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बाते बीत गई है, देखो, सब बाते नई हो गई हैं। ये सब बातें परमेश्वर की ओर से है, जिसने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल-मिलाप कर लिया उसने मेल-मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है। "

२

आप एक नई सृष्टि हैं

अब जब कि आपने अपने जीवन को यीशु मसीह को दे दिया है और उसे आपके जीवन का प्रभु बना लिया है, अब आप वह नहीं रह गए हैं जो आप थे। शायद आप अब भी बाहरी रुप से उसी तरह दिखते हो, किंतु अंदर से, आप बिल्कुल नये व्यक्ति हैं यही वह हैं जो बायबल कहती हैं। आप एक "नई सृष्टि के जैसें " नहीं हैं, किंतु एक "नई सृष्टि है " अस्तित्व की एक नई प्रजाति जो पहले कभी भी अस्तित्व में नहीं थी (२कुरिंथियों५:१७)।

आप सुधारे गए, पुन: चमकाए गए या पुन: बनाये गए नहीं हैं, आप एक नई सृष्टि हैं- बिल्कुल ही नया व्यक्ति। यद्यपि, तथ्य है कि आप अंदर से एक नई सृष्टि है, इसका यह अर्थ नहीं कि बाहरी रुप से, आप अलग दिखेंगे। यदि आपके नये जन्में होने

के पहले आपके बाल बारीक कटे हुए थे, तो स्टाईल बारीक हीं रहेगी। आपके

पास अब भी वही नौकरी, परिवार और पडोसी होंगे।

किंतु बिंदु यह हैं कि, अब आपके संस्कार बदल चुके है। आपके पास संस्कारों का एक नया समूह है क्योंकि आप अंदर से एक नये व्यक्ति है।

३

आपके पास परमेश्वर का स्वभाव और जीवन हैं!

नया जन्मा होने के कारण, परमेश्वर ने आपको उसकी संतान होने की सामर्थ दी हैं (यूहन्ना१:१२)। परमेश्वर का स्वभाव आपकी मानवीय आत्मा में डाला जा चुका है। अब आपके पास एक नया जीवन है, परमेश्वर का जीवन जिसे यीशु मसीह हर उसके लिए उपलब्ध बनाता हैं जो उसमें विश्वास करता हैं । कितना सुविधाजनक! इसलिए आप परमेश्वर के स्वभाव के एक सहभागी हैं (२पतरस१:३-४)।

परमेश्वर अब आपका पिता हैं! कैसे? जन्म के द्वारा स्वभाव पुन: पैदा होता हैं, यही कारण हैं कि एक कुत्ता हमेशा एक कुत्ते को ही जन्म देगा। और यूहन्ना १:१२-१३ कहता है, "परंतु जितनो ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान होने

का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते है। वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परंतु परमेंश्वर से उत्पन्न हुए हैं। ”

परमेंश्वर के पास आपके प्रति माता-पिता की भावनाएँ हैं। आप उसके परिवार के एक सदस्य हैं, और इसलिए स्वर्ग के रहिवासी जहाँ वह रहता है।

परमेश्वर आपके लिए उत्तरदायी है। वह मसीह में उसके महिमामय धन के अनुसार आपकी सारी जरुरतो की सप्लाई करेगा (फिलिप्पियों ४:१९)। उसके पास आपके जीवन के लिए एक अच्छी योजना है, जिसकी शुरुवात तभी हो चुकी थी जब आप नये जन्में थें। आप एक प्रेमी परमेश्वर की एक प्रेमी संतान है, और आप एक प्रेमी परिवार में जन्में हैं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। उसके राज्य का एक सदस्य बनने के लिए उसने आपको यह नया जीवन दिया।

बायबल घोषणा करती हैं कि परमेश्वर ने आपको अंनत जीवन दिया हैं। यह वह जीवन हैं जो परमेश्वर के अंदर हैं, जो उसके लिए वह बनने में संभव बनाता हैं जो वह हैं। यह परमेश्वर सरीखा जीवन है। इस जीवन ने कब्र के लिए यीशु मसीह को पकडे रखना असंभव बना दिया। यह पुनरुत्थानी जीवन है, और यह जीवन अब आपके अंदर है।

"और यह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अंनत जीवन दिया हैं, और यह जीवन उसके पुत्र में हैं। जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन हैं, और जिसके पास पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं हैं। मैंने तुम्हे, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा हैं कि तुम जानो कि अंनत जीवन तुम्हारा हैं, और तुम परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते रहो" (१ यूहन्ना ५:११-१३)।

केवल उसी व्यक्ति के पास यह जीवन हैं, जिसके पास पुत्र है, क्योंकि यह जीवन वास्तव में परमेश्वर के पुत्र में निहित है। जब आपने उसे ग्रहण किया था, आपने यह जीवन ग्रहण किया था।

यह जीवन आपको किसी भी स्थिति के द्वारा हराया जाना असंभव बनाता हैं। यह आपको हमेशा ऊपर रखता हैं। केवल इसके विषय में सोचिए। यह परमेश्वर के लिए असंभव हैं कि वह नष्ट किया जाए या हराया जाए। अब आपके पास उसका जीवन हैं, आप नष्ट या हराये नहीं जा सकते है, क्योंकि वही आत्मा जिसने यीशु मसीह को मृत्यु में से जिलाया आप में रहता है (रोमियो८:११)।

४

आप परमेश्वर की सत्यनिष्ठा हैं

२कुरिंथियों ५:२१ कहता है, *"जो पाप से अज्ञात था, उसने उसी को हमारे लिए पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ। "*

सोचिए कि परमेश्वर कर रहा हैं जिसे आप कह सकते है कि "नेचर-ट्रान्सप्लान्ट "। उसने हमारे लिए यीशु को पाप (अर्थ है, पाप-बलिदान) बनाया, ताकि हम उसमें परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ।

यही है जिसने यीशु को आपके स्थान पर एक पापी की मृत्यु मरना संभव बनाया। परिणाम यह है कि अब आप परमेश्वर के सामने बिना अपराधबोध, डर या तिरस्कार की भावना के खडे रह सकते है (इब्रानियों१०:१९, रोमियो५:१)।

५

आप निर्दोष हैं!

निर्दोष होने का क्या अर्थ है? इसका अर्थ हैं "बाइज्जत बरी"। जहाँ तक परमेश्वर का संबध हैं, आप किसी भी गलती के लिए अपराधी नही है। बायबल कहती है, "इसलिए विश्वास के द्वारा निर्दोष ठहरने के द्वारा हमारे पास हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ शांति हैं " (रोमियो५:१)। आप निर्दोष ठहराए जा चुके हैं।

जब यीशु क्रुस पर मरा तो उसने आपके पापो के लिए दंड को ले लिया, यद्यपि वह किसी भी पाप का अपराधी नहीं था (१पतरस२:२२)। यही कारण हैं कि परमेश्वर आपके विरुद्ध आपके पाप को पकडकर नहीं रखा हैं। बायबल कहती है,

"अर्थात परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का

मेल-मिलाप कर लिया, और उनके अपराधो का दोष उन पर नहीं लगाया, और उसने मेल-मिलाप का वचन हमें सौंप दिया हैं "(२कुरिंथियो ५:१९)।

६

आप शुध्द किए गए है!

आईए एक क्षण के लिए कल्पना करें कि आप एक कीचड में गिर गए, आप बहुत गंदे हो गए थे, और कोई रास्ते में आया और आपको बचाया अर्थ है कि, "आपको कीचड़ से बाहर निकाला "। अगली चीज जो आपको करनी हैं वह हैं अपने आपको पूरी तरह से साफ करना। दूसरे शब्दो में आपमे से कीचड को बाहर निकालना, और यह समय और प्रयत्न लेता है।

१कुरिंथियों ६:११ कहता है, "परंतु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और निर्दोष ठहरे। "

शुद्धीकरण दो चरणो की प्रक्रिया हैं: प्रथम, परमेश्वर आपको

कीचड में से बाहर निकालता हैं, उसका अर्थ

है, आप नये जन्में है और तुंरत ही बायबल आपको शुद्ध घोषित करती हैं, विश्व से परमेश्वर के लिये अलग किए गए। तब आपको अवश्य ही कीचड को आपमे से बाहर निकालना चाहिए, परमेश्वर के वचनो के द्वारा अपने दिमाग को एक साफ करने वाली (नया बनाने वाली) प्रक्रिया के अधीन करने के द्वारा (रोमियो १२:२)।

आपके दिमाग का बदलना एक निरंतर प्रक्रिया है। आपका दिमाग एक तरीके में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, भरोसा करने के पहले ही वस्तुओं को भौतिक रुप से देखने के लिए। अब आपके दिमाग के बदले जाने के द्वारा आप अपने दिमाग को वस्तुओं को परमेश्वर के तरीके से देखने के लिए देते है। आप अपने दिमाग को परमेश्वर के दृष्टिकोण से देखने के लिए पुन: सिखाते हैं। तब आप परमेंश्वर के वचनो को परमेश्वर के तरीके से कहोगे और उन परिणामों को पाओगे जो वह उसके वचनो से पाता हैं।

आप छुडाए गए है !

"और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमें इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगो के साथ मीरास में सहभागी हों। उसी ने हमें अंधकार के वंश से छुडाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया " (कुलुस्सियों १:१२-१३)।

अपना जीवन प्रभु यीशु मसीह को देने के क्षण से ही, आप परमेश्वर के राज्य के एक सदस्य बन गए थे। नरक से निकला हुआ कोई शैतान अब आपको चोट नहीं पहुँचा सकता। आप हर उस वाचा से मुक्त हैं जिसमें आपने कभी भी प्रवेश किया था, जानते हुए या ना जानते हुए। आप हर आदत पाप, बीमारी या

रोगो से मुक्त हैं, जिसने कभी भी आपको बांधे रखा था। क्यों? क्योकि आप अंधकार की ताकतो से छुड़ाए जा चुके है!

बायबल कहती हैं: कि परमेश्वर ने आपको अंधकार के नियंत्रण और प्रभुता से छुडाया और उसके राज्य में ला दिया। आपको दुबारा कभी भी नहीं घबराना हैं। परमेश्वर आपका चरवाहा है और उसकी सुरक्षा की आँखे हमेंशा आपके ऊपर बनी रहेंगी (भजनसंहिता २३:१)।

बायबल कहती हैं: "अगर पुत्र ने आपको मुक्त किया हैं, तो आप वास्तव में मुक्त हो" (यूहन्ना ८:३६)। परमेश्वर आपको उसके राज्य में छुडाकर ले आया हैं। वही पर आप अभी हैं, वहीं के आप हैं। अंधकार की ताकत से आप पहले ही छुडाए जा चुके हैं। ध्यान दे कि यह भूतकाल में हैं- आप अंधकार की ताकत से पहले ही छुडाए जा चुके हैं।

८

परमेश्वर का आत्मा आपमें रहता है!

इस नये जीवन का दूसरा महान भाग यह हैं कि परमेश्वर का आत्मा आप में रहने के लिए आता हैं। जब परमेश्वर का आत्मा आपमें निवास ले लेता है, वह आपको परमेश्वर के वचन में प्रकाशित करता है और आपको वचन की नई समझ देता हैं।

इसलिए अब जब आप बायबल का अध्ययन करते है, आपके पास आपकी स्वयं की आत्मा में एक नई समझ होती है, यह आपके जीवन में काम लायक बन जाती है।

दूसरी वस्तु जो पवित्र आत्मा करता हैं वह आपको परमेश्वर का वचन याद दिलाता है (यूहन्ना १४:२६)। इसके अलावा यीशु मसीह के सुसमाचार का एक प्रभावी गवाह बनने के लिए वह आपको सामर्थ देता है।

"परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगें, और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह होगें "(प्रेरितो के काम १:८)।

आप क्या करते हैं जब.....

गलत विचार आपके दिमाग में आते है?

नया जन्मा होना आपको टेम्पटेड होने से नहीं रोकता है, किंतु आपको अवश्य ही टेम्पटेशन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। बायबल सिखाती हैं कि जब कभी हम जाँचे जाते है, तो परमेश्वर हमेशा ही बचने का एक रास्ता खोल देता हैं (१कुरिंथियो१०:१३)। इसलिए जब गलत विचार आपके दिमाग में आते है, आपको अवश्य ही:

(१) याद रखना हैं कि आप एक नई सृष्टि हैं

ये विचार आपके पास एक बाहरी बल के रुप में आते हैं, शैतान की ओर से एक तरह का टेम्पटेशन। आप उन्हें अपने

दिमाग में बनाते नहीं है, विशेष रुप से अब जबकि आप नये जन्में हैं। बायबल कहती हैं कि हमारे (नये जन्में विश्वासी) पास मसीह का दिमाग है (१कुरिंथियो२:१६)।आपको अवश्य ही याद रखना है कि अब आप

कौन हैं, एक नई सृष्टि! परमेश्वर हमेशा चाहता है कि हम याद रखे कि हम नई सृष्टि हैं और उसने हमें नया जीवन दिया है। यही वह नया जीवन हैं जिसमें आपको भरोसा करना है।

(२) आज्ञा पालन में चलिए

परमेश्वर की आज्ञा मानो! चलिए मान लेते है कि एक बुरी आदत का विचार आपके पास आता हैं। आपके ऊपर उस गलत वस्तु को करने का बहुत अधिक दबाव हैं, यहाँ तक कि आप शायद गलत काम के शुरुवाती स्तर तक जाए। किंतु ठीक वहाँ पर, जब आपको याद आता हैं कि आप नये जन्में हैं, एक नया व्यक्ति, आपके पास अचानक से इसे झटक देने की निर्भिकता और धैर्य आ जाता हैं।

परमेश्वर की आज्ञा मानो। आप देख सकते हैं कि, नया जन्में होने का अर्थ यह नहीं है कि गलत विचार आपके पास नहीं आते है किंतु बिंदु यह हैं कि आपको उसे आप पर पकड नहीं

बनाने देना चाहिए। उन्हें अस्विकार कर दो। किसी ने सही कहा है, "आप पक्षियों को आपके सिर के ऊपर उडने से रोक नहीं सकते है, किंतु आप निश्चित ही उन्हें वहाँ घोंसला बनाने से रोक सकते है! "

आप शायद इन विचारो को आपके पास आने से रोक न सको, क्योंकि वे एक बाहरी बल हैं, किंतु आप उन्हें आपमें बसने से रोक सकते हैं। अपने अंदर गलत विचारो को बसने मत दो, उन्हें आप के ऊपर प्रभुता या वर्चस्व मत लेने दो। आप उन्हें रोक सकते हैं, उनके बजाय सही वस्तुओं पर सोचने के द्वारा (फिलिप्पियों ४:८)।

कल्पना किजिए कि आप एक मंच के कलाकार है या प्रदर्शन करने वाले है और आपको एक महिला का पात्र निभाना था, यद्यपि आप वास्तव में एक पुरुष हैं, आप महिला के कपडे पहनोगे और बाल बनाओगे और एक महिला की तरह काम करोगे और बात करोगे। किंतु अभिनय के आखिर में आप नहीं भूलते हैं कि आप एक पुरुष हैं। आप मंच से वापस आते हैं, और ड्रेसिंग रुम में वापस जाते हैं, आपके वास्तविक कपडो को पहनते है और रास्ते पर चले जाते है। जब आप सोमवार की सुबह को काम करने निकलते है, तो आप नहीं भूलते कि आप वास्तव में एक आदमी है। आप उसकी तरह बात करते है और उसकी

तरह जीते है। आपके लिए यह हास्यास्पद होगा कि आप काम पर वापस जाए एक महिला की तरह बात करते हुए और और बर्ताव करते हुए, जिस प्रकार आपने उस रात मंच पर अभिनय के दौरान किया।

वही वस्तु अब आप पर लागू होती हैं। आपके नये जन्में होने के पहले आपने गलत तरीके से काम किया, किंतु अब आपके पास एक नया जीवन है। अब आपको वही नया जीवन जीना चाहिए। आप बहुत समय ये एक महिला का पात्र निभा रहें हैं और कुछ समय आप अपने आपको भूल गए और उस तरह काम करना शुरु कर दिया। किंतु तब आपको दुबारा याद आता हैं कि आप वास्तव में एक पुरुष है और आप अपने आपको सही करते है। आप बुध्दिमान होते हैं और कहते है, "ओह मैं एक महिला नहीं हूँ, मैं मंच पर अभिनय नहीं कर रहा हूँ मुझे वास्तविक बनना है "।

इस तरह से आपको एक बुरी आदत को रोकना चाहिए। अपने आपसे कहो, "देखों मैं नया जन्मा हूँ। यह मेरा वास्तविक स्वभाव है !" आदत से अंतर नहीं पडता: जब आपको याद आता है (और आपको याद आएगा), रुको! अपने आप से कहो, "मैं नया जन्मा हूँ! इसे ठीक वही रोक दो! "

पाप की श्रृंखला को चलते मत रहने दो, और इसमें आपके साथ सम्मिलित ऐसे किसी को भी यह कहने से मत शर्माईए कि,

"ओह मुझे माफ करना मैं यह नहीं कर सकता क्योंकि मैं नया जन्मा हूँ"। बुरी आदतो से

छुटकारा पा लिजिए उन्हें अच्छी आदतो से बदलने के द्वारा। इसे जानबूझ कर करो। परमेश्वर के वचनो से ईश्वरीय चरित्र के गुणो को खोजो और अभ्यास करने के द्वारा उनमें अपने आपको प्रशिक्षित करों।

(३) एक करने वाले बनो, वचन को करो!

परमेश्वर नहीं चाहता कि आप केवल सुनने वाले बनो किंतु वचन के करने वाले बनो।

> *"पंरतु वचन पर चलने वाले बनो, और केवल सुनने वाले ही नहीं, जो अपने आप को धोखा देते हैं। क्योंकि जो कोई वचन का सुनने वाला हो और उस पर चलने वाला न हो, तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है। इसलिये कि वह अपने आप को देखकर चला जाता और तुंरत भूल जाता है कि मैं कैसा था "(याकूब १:२२-२४)।*

आप वचन के करने वाले बन जाते हो जब आपको वचन

याद आता हैं और आप उस तरह काम करते हैं। और आप इसे हमेशा याद रखोगे। वह उनमें से एक काम हैं जो पवित्र आत्मा आपमें करता है। यीशु ने कहा,

> "परंतु सहायक अर्थात पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम में भेजेगा, वह तुम्हे सब बाते सिखाएगा और जो कुछ मैंने तुम से कहा हैं, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा " (यूहन्ना १४:२६)।

परमेश्वर का धन्यवाद पवित्र आत्मा ठीक यहाँ पर हैं, वह वचन याद रखनें में हमारी सहायता करता है। अब, जब आपको वचन याद है, आपको इस पर अवश्य काम करना चाहिए। स्मरण करने के विषय में परेशान मत हो, पवित्र आत्मा इसे आपको स्मरण कराएगा। किंतु आपको अवश्य ही हमेशा तैयार रहना हैं उसकी आज्ञा मानने के लिए जब वह इन सच्चाईयों को आपके दिमाग में लाता हैं।

(४) याद रखो कि पाप की आपके ऊपर प्रभुता नहीं होगी

आपको एक वस्तु अवश्य याद रखनी हैं: गलत विचारो के पास आप के ऊपर वर्चस्व पाने की सामर्थ नहीं हैं जब तक

आप उन्हें न करने दे।

"पाप की आप पर प्रभुता नहीं होगी... " (रोमियों ६:१४)। आप के ऊपर पाप का स्वामित्व नहीं होगा।

इसका आपके ऊपर हाथ नहीं होगा, क्योंकि आप नियम के अधीन नहीं है किंतु अनुग्रह के। यही हैं जो बायबल आपके विषय में कहती है।

परमेश्वर ने आपको पाप और अंधकार की ताकत से छुडाया हैं, और उसके राज्य में वापिस लाया हैं: "और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमें इस योग्य बनाया कि ज्योंति में पवित्र लोंगो के साथ मिरास में सहभागी हों। उसी ने हमें अंधकार के वंश से छुडाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया " (कुलुस्सियों१:१२-१३)।

आप अभी वहीं पर हैं अब जबकि आप नये जन्में है, और यहीं कारण हैं कि अंधकार की ताकतों की आपके ऊपर प्रबलता नहीं होगी। वे पाप के स्तर में हैं परंतु आप परमेंश्वर के जीवन के स्तर में हैं, जो पाप के ऊपर बैठता हैं। इसलिए आप देखते हैं कि, उनकी आप पर प्रबलता नहीं हो सकती।

कुलुस्सियों १:१४ कहता है, "जिसमें हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती हैं, उसके लहू के द्वारा "। यीशु मसीह में, हमारे पास छुटकारा है। यह हमारा वर्तमान समय का अधिकार है (इफिसियों२:५-६)। हम इसे पाने की कोशिश नहीं कर रहे

हैं, यह अभी हमारे पास है! हमें परमेंश्वर के वचन की इस चेतना को अवश्य याद रखना हैं और इसमें आंनद मनाना हैं।

१०

आप क्या करते हैं जब...

पुराने मित्र आपको निरुत्साहित करने की कोशिश करते हैं?

अब जबकि आप नये जन्में है, आप एक नये परिवार से है। आप बिल्कुल भी आपके पुराने परिवार से नहीं है। इसका यह अर्थ नहीं हैं कि आपको अवश्य ही अपने पुराने मित्रो और परिचितों को छोड देना चाहिए या उन्हें अस्विकार कर देना चाहिए। आपको उनके लिए एक ज्योंति बनना है। वे अभी भी अंधकार में है, क्योंकि उनके पास हृद्य में यीशु मसीह नहीं हैं। आपको अवश्य याद रखना है कि आप उनके लिए परमेश्वर की ज्योंति बन गए हैं। उनके साथ सुसमाचार को बाँटो ताकि वे भी यीशु के पीछे जा सके।

आपको क्या करना चाहिए जब वे आपको निरुत्साहित करने की कोशिश करते है? बायबल कहती हैं

कि आखिरी दिनो में, ठट्टा करने वाले आएँगे जो सभी गलत वस्तु जिसके विषय में वे सोच सकते हैं, करेंगे और सच्चाई पर हँसेगे (२पतरस ३:३-४)।

ठट्टा करने वाले वे हैं जो आपको निरुत्साहित करने की कोशिश करते हैं और आपको पूराने जीवन की ओर वापस ले जाते है। यद्यपि आपको उनके साथ घूमना अवश्य ही अस्विकार करना है। मसीह के साथ आपकी सहभागिता के रास्ते में उनके बर्ताव को खडा रहने से रोक दो। उनके साथ असमान रुप से बंधा होना अस्विकार कर दो। उनकी सलाह को स्वीकार मत करो। इसके बजाय, परमेश्वर और उसके वचन के लिए खडे रहो।

असमान जुआ (संबंध)

खेती के शुरुवाती दिनों में, एक किसान दो जानवरो को बांधता था, उदाहरण के लिए दो गधे या दो बैल, और उन्हें एक हल में जोडता था। दो जानवर भूमि को जोतेंते थे जैसे ही वह एक साथ घूमते थे। क्योंकि वे एक

साथ बंधे हुए थे, तो दोनों जानवरो को समान दिशा में घूमना था। जहाँ कही पहले वाला गया, दूसरा भी गया। किसान ने उन्हें निर्देशित किया था और उन्हें एक ही दिशा में जाना होता था जब तक वे उसी एक हल में थे।

अब यदि वे दोनो गधे थे, तो यह एक "समान जुआ " कहलाता था। किंतु यदि एक गधा और दूसरा एक बैल था, तो यह एक "असमान जुआ " कहलाता था, (क्योंकि वे समान प्रजाति के नहीं थे)। यदि हमें किसी दूसरे के साथ एक साथ बांधा जाए, तो इसे अवश्य ही एक "समान जुआ " होना चाहिए। वह हैं, एक मसीह और दूसरे

मसीह का सहभागिता में एक साथ चलना। किंतु यदि एक मसीह और एक जो मसीह नहीं है सहभागिता में एक साथ है, तो वे असमान रुप से जुते हुए है। और परमेंश्वर कह रहा है, "अविश्वासियों के साथ असमान जुएँ में मत जुतो " (२ कुरिंथियों ६:१४-१६)।

इसलिए आप देखते है, यदि आप और एक अविश्वासी सहभागिता में है, समान जीवन जीते हुए, तब आप एक असमान जुए में है, और यह गलत है। परमेश्वर नहीं चाहता हैं कि आप एक असमान जु में हो, इसके बजाय

दूसरे मसीहों के साथ समान रुप से जुडे हुए हो, उनके साथ समान वस्तु करते हुए। अविश्वासी आपके सर्वश्रेष्ठ मित्र नहीं हो सकते। इसके अंतर नहीं पडता कि एक व्यक्ति कितना सदाचारी है, जब तक वह नया जन्मा नहीं है, वह आपका सर्वश्रेष्ठ मित्र नहीं हो सकता।

यह परमेश्वर के सामने असंभव और स्विकार न किया जा

सकने वाला हैं क्योंकि यह एक असमान जुआ है। किसी व्यक्ति का आपका जाँचन कभी भी परमेश्वर के जाँचन के बराबर नहीं हो सकता।

एक बार, परमेश्वर ने शमुएल को यिशै के घर उसके पुत्रों में से एक को इस्राएल के राजा के रुप में अभिषेक करने के लिए भेजा (१शमुएल १६:१-१३)। जब शमुएल ने यिशै के पहले पुत्र, एलिआब को देखा तो शमुएल ने कहा, "निश्चय यही परमेश्वर के सामने उसका अभिषिक्त होगा", क्योंकि वह बडा, लंबा और सुंदर था। किंतु परमेश्वर ने भविष्यवक्ता से बात की और कहा, "उसे अभिषिक्त मत करो, क्योंकि मैंने इसे नकार दिया है "। तब उसने कहा "मनुष्य तो बाहर का रुप देखता है, पंरतु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है, आंतरिक मनुष्य "। इसलिए किसी भी व्यक्ति का आपका जाँचन अधिकतम बाहरी दिखावे पर निर्भर हैं- क्या वह कहता है, कैसे

वह दिखाता है, उसके चलने का तरीका..। इन पर आधारित होकर आप सभी प्रकार की रायों को बना सकते हैं, किंतु आप देखते है, कि परमेश्वर आंतरिक पहनावे को देखता हैं।

एक व्यक्ति जो नया जन्मा नहीं है उसके पास परमेश्वर के साथ एक सही आत्मा नहीं हैं। एकमात्र तरीका जिसके द्वारा कोई परमेश्वर के साथ सही बन सकता हैं वह नया जन्मा होने के द्वारा हैं। यह एकमात्र समय हैं जब कोई व्यक्ति आपका सर्वश्रेष्ठ मित्र

बनने के लिए योग्यता प्राप्त करता हैं। जब तक वह नया जन्मा नहीं हैं, वह आपका सर्वश्रेष्ठ मित्र नहीं हो सकता, वह परमेश्वर के स्तर से ऐसा बनने के लिए योग्य नहीं है। अब जब आप नये जन्मे हैं, आपकी इच्छा परमेश्वर को प्रसन्न करने की होनी चाहिए, इसलिए आपको अवश्य ही अपने स्वयं के स्तरों को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह बहुत ही महत्तवपूर्ण है।

अपने हदय को परमेश्वर के स्वयं के हदय पर रखो और वह आपको आगे तक ले जाएगा (१कुरिंथियों१०:१३)।

११

आप क्या करों जब...

सताव और क्लेस आते हैं ?

मरकुस ४:१-९ में, यीशु ने हमें बोने वाले के दृष्टांत के विषय में बताया। मनुष्य उसके बीजों को बोने के लिए गया और कुछ मार्ग के किनारे गिरें, कुछ पथरीली भूमि पर गिरे, कुछ झाड़ियों में गिरे और कुछ अच्छी भूमि पर गिरे। १६वें और १७वें वचन में बायबल कहती है, " ये उनकी तरह है जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं ये वे है जो वचन को सुनकर तुरंत आनंद से ग्रहण कर लेते हैं। पंरतु अपने भीतर जड न रखने के कारण वे थोडे ही दिनो के लियें रहते हैं, इसके बाद जब वचन के कारण उन पर क्लेश या उपद्रव होता हैं, तो वे तुरंत ठोकर खाते हैं "।

वह उनके विषय में बात कर रहा हैं जिनमें अपने भीतर जड नहीं हैं। वह कहता हैं कि यद्यपि ऐसे लोग उत्सुकता से वचन को

स्वीकार करते हैं, पर जब वचन के कारण क्लेस या सताव आता हैं, तो वे ठोकर खाते हैं। यह बहुतों के साथ हुआ हैं।

यीशु यहाँ क्या कह रहा हैं कि ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके पास वास्तव में उसके लिए गहरा प्रेम नहीं हैं। अनंत जीवन की वाचाओं, खुशी और उत्तर आ चुकी प्रार्थनाओं के कारण वे परमेंश्वर के वचन के लिए उत्साही हैं किंतु उनके पास वास्तव में परमेंश्वर के लिए एक गहरा प्रेम नहीं हैं। इसलिए जब सताव आते हैं, वे हार मान लेते हैं। यह दु:खद हैं। जब सताव और क्लेस आते हैं, आपको वचन के पीछे जाना चाहिए।

१) आपके पास परमेंश्वर के लिए एक गहरा प्रेम अवश्य होना चाहिए

परमेंश्वर चाहता हैं कि आपके पास उसके लिए एक गहरा, मजबूत प्रेम हों। प्रेम घट और बढ सकता हैं।

जितना अधिक आप उसके विषय में सोचेंगे, उसके वचन को सुनोगे और प्रार्थना में उसके साथ सहभागिता करोगे, आपके पास उसके लिए महानतम प्रेम होगा, क्योंकि प्रेम परिचय के साथ बढता हैं। जितना अधिक आप परमेंश्वर से परिचित हैं, उतना अधिक आप उससे प्रेम करोगे। जितना अधिक आप उसके वचन

सुनते हैं उतना ही अधिक आप उसे खोजोगे और उससे प्रेम करोंगे, और तब आप उससे अधिक ग्रहण करोगे।

जब आपके पास परमेश्वर के लिए यह मजबूत प्रेम होता हैं, तो उसका वचन आपके हदय में जड पकड लेता हैं, जिससे कि आप जब किसी स्थिति का सामना करते हैं, आप इससे सबंधित परमेश्वर का स्थान जानते हैं और आप तुरंत ही इसके विषय में परमेश्वर का मत घोषित करते हैं।

बायबल कहती हैं कि जीवन और मृत्यु जीभ के वंश में हैं (नीतिवचन१८:२०-२१), और हदय की अधिकाई से मुहँ बोलता हैं (मत्ती१२:३४-३५,३७)। जब आप अपने हदय को परमेश्वर के वचन से भरते है, इससे अंतर नहीं पडता कि स्थिति क्या है, आप वस्तुओं को परमेश्वर के तरीके से देखोगे और वही कहोगे। और यह हो जाएगा!

२.हार मत मानो!

जब परेशानी आती हैं आपको अवश्य ही हार नहीं माननी चाहिए। नये जन्में होने का अर्थ यह नहीं कि परेशानीयाँ नहीं आयेंगी, ना ही इसका अर्थ हैं कि मुश्किले नही आएगीं। इसका अर्थ हैं कि सभी मुश्किलों के सामने, सभी परेशानियों की उपस्थिति में, परमेश्वर आपको बाहर निकालेगा। जैसा कि भजनसंहिता२३:५

में, "तू मेरे सतानेवालो के सामने मेरे लियें मेज बिछाता हैं ", हो सकता हैं आप ठीक अपने शत्रुओं की उपस्थिति में हो किंतु वे आपको नष्ट नहीं कर सकते!

परमेश्वर नहीं चाहता हैं कि आप हार मानो। आपको अवश्य ही मजबूत खडा होना हैं। इससे अतंर नहीं पडता कि वस्तुएँ कितनी कठीन या मुश्किल दिखाई देती हो, कभी भी हार मत मानो! परमेश्वर आपको बाहर निकालेगा, इसलिए निराश मत हो। उसके प्रति वफादार बने रहो और वह आपको कभी भी निराश नहीं करेगा या भूलेगा नहीं। आप जीवन के परिस्थिंतियो में जीतोगे, क्योंकि वे आपके पराधीन बन

जाएँगी। यशायाह ४३:२ कहता हैं कि जब तुम पानी में से गुजरोगे यह तुम्हें डुबाएगा नहीं और जब तुम आग से गुजरोगे तो यह आपको जलाएगी नही। जब आप यीशु मसीह के पीछे जाते है, तो अपने पूरे हदय से उसकी सेवा करो। चुनौतियों से कोई अंतर नहीं पडता उसके पीछे जाओ।

"परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है। इसलिये हे मेरे प्रिय भाईयों, दृढ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढते जाओ, क्योंकि यह जानते हो कि तुम्हारा परिश्रम मसीह में व्यर्थ नहीं हैं " (१

कुरिंथियो १५:५७-५८)।

"क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता हैं और वह विजय जिससे संसार पर जय प्राप्त होती हैं हमारा विश्वास हैं" (१ यूहन्ना ५:४)।

आप देखते है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर हमें विजय देता हैं, इसलिए हम हार नहीं सकते है। १ यूहन्ना ५:४ का सावधानी पूर्वक अध्ययन करो, यह विजय के विषय में बात करता हैं

जो इस विश्व पर जय पाती हैं, जो कि हमारा विश्वास हैं। विश्वास के द्वारा जीओ, आप एक विजयी हैं ना कि एक हारे हुए। आप एक विजयी जन्में थे क्योंकि आप परमेश्वर से जन्में हैं। आप परमेश्वर की संतान हैं, उसके आत्मा से जन्में।

१२

पवित्र आत्मा और आप

नया जन्मा होना मतलब परमेश्वर के आत्मा से जन्मे होना (१ कुरंथियों १२:१३, यूहन्ना ३:५-८)। जब आप नए जन्मे होते है, तो पवित्र आत्मा आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग बन जाता है। इसलिए आपको समझने की जरुरत है कि वह कौन है और अपने जीवन में उसके कामों को पहचानिए।

आपको अवश्य ही समझना चाहिए कि वह आपको क्या देने आया, ताकि आप मसीह में उस बहुतायत के जीवन का लाभ उठा सके और उपहार को ग्रहण कर सकें (१ कुरंथियों १२: ८-१०) और सार्मथ को (लूका २४:४९, प्रेरितो के काम १:४-८) जो आपके लिए उपलब्ध है उसके द्वारा।

पवित्र आत्मा कौन है ?

बायबल के विभिन्न भागों में हम पवित्र आत्मा के उल्लेख को पाते है।

- पूराने नियम में, हम उसे असाधारण काम को करने के लिए सामर्थ और योग्यता को देते हुए देखते है (न्यायियो १४:६, १९)।
- नये नियम में, हम उसे यीशु के जन्म, सेवकाई और जीवन में और भी अधिक महत्वपूर्ण देखते है (लूका ४:१८)।
- पवित्र आत्मा प्रेरितों के काम २:१-४ में भी यीशु के चेलों के जीवन में कार्य करता हुआ दिखाई देता है।
- वह परमेश्वर है। वह एक दैविय व्यक्ति है और वह परमेश्वर के सिर का तीसरा व्यक्ति है (यूहन्ना १४:१६-१७, यूहन्ना १५:२६)।
- वह समय के पहले अस्तित्व में था (उत्पत्ति १:२)।
- वह परमेश्वर की सामर्थ का प्रत्यक्षिकरण है। दूसरे शब्दो में, वह परमेश्वर का भाग है जोकि पिता के
- ड्डु ऱ्द ४९

बोले हर शब्द को पूरा करता है (उत्पत्ति १)।

- वह प्रेम, सामर्थ और एक अच्छी दिमाग का आत्मा है (२तीमुथियुस १:७)।

- वह स्वतंत्रता का आत्मा है (२कुरिंथियो ३:१७)।

पवित्र आत्मा क्या नही है?

यह भी ध्यान देने योग्य है कि पवित्र आत्मा एक बल, हवा, तेल या कबूतर नही है, यद्यपी वचन से, हम उसे ऐसे प्रतीक के रूप में देखते है। वह "अन्यभाषा" नही है, यद्यपी वह बोलने के लिए शब्द देता है। वह "सामर्थ " नही है, किंतु हमारे पास परमेश्वर की सामर्थ को लाता है। यह वह आत्मा नही है जोकि दुबारा आपको डर के दासत्व में लाता है (रोमियो ८:१५), किंतु स्वतंत्रता में लाता है (२कुरिंथियो ३:१७)।

हमे क्यो पवित्र आत्मा की आवश्यकता है?

- पवित्र आत्मा हमें दैविय सामर्थ देता है (प्रेरितों के काम १:८)। यह शब्द " सामर्थ" एक ग्रीक शब्द "ड्यूनामिस " से अनुवादित किया गया है,जिसका वास्तव में अर्थ "बदलावो को लाने के लिए कार्यशील योग्यता" है। जब पवित्र आत्मा हमारे अंदर रहने के लिए आता है, तब वह हमें हमारे जीवनों

में और दूसरो के जीवनो में बदलावो को लाने की योग्यता देता है।

- वह हमें सुसमाचार प्रचार करने की निर्भिकता देता है (मत्ती २८:१८-२०, मरकुस १६:१५-१८)।
- वह हमें मार्गदर्शित और निर्देशित करता है (यूहन्ना १६:१३, रोमियो ८:१४)।
- वह हमें शांति देता है (यूहन्ना १४:१८, प्रेरितो के काम ९:३१)।
- वह हमें निर्देशित करता है और हमें सीखाताा है (यूहन्ना १४:२६, १कुरिंथियो २:११-१२)।
- वह हमारे साथ चलता है और हमारे दैनिक जीवन का एक भाग बन जाता है (यूहन्ना १४:१६)।
- ड्ढ्ढ न्द ५१

- वह हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम परमेश्वर की संतान है, और इसलिए मसीह यीशु में उसके धन के सहभागी है (रोमियो ८:१६; इफिसियो ३:६)।
- वह हमें प्रेम में परमेश्वर के पास पहुँचने की स्वतंत्रता देता है (रोमियो ८:१५, २कुरिंथियो ३:१७; २तीमुथियुस १:७)।

आप पवित्र आत्मा के साथ एक संबंध रख सकते है

यूहन्ना १४:१७ में, यीशु कहता है, "अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नही कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा"।

पवित्र आत्मा के साथ एक संबंध रखना, अपने जीवन में उसकी उपस्थिति को पहचानना और उसकी सेवकाई को मानना है। इसलिए, उसके साथ सहभागिता करते हुए और उसे एक मित्र के रूप में जानते हुए,

आपको उसकी उपस्थिति में अवश्य ही समय बिताना चाहिए। प्रार्थना करने, वचन का अध्ययन करने और पवित्र आत्मा के प्रोत्साहनों और प्रेरणाओं की आज्ञा मानने के द्वारा, आप इस संबंध को पा सकते है।

जब आप नया जन्म पाते है, तब आप परमेश्वर के आत्मा में बपतिस्मा पाते है। बपतिस्मा पाने का अर्थ है किसी वस्तु में पूरी तरह से डूबाना। उदाहरण के लिए, आप रबड़ की एक गेंद को लेकर पानी के एक बडे बर्तन में डूबा सकते है, इस तरह से कि गेंद पूरी तरह से पानी से ढक जाती है। जब आप नया जन्म

पाते है तब यही होता है उस गेंद की तरह, आप पवित्र आत्मा में डूब जाते है।

किंतु आप जानते है, पानी के द्वारा गेंद का ढँक जाना एक बात है, और अंदर से पानी के द्वारा भर जाना और इससे ढँक भी जाना, पूरी तरह से दूसरी बात है। गेंद को भरने के लिए, इसमें पानी के प्रवेश करने के लिए एक रास्ता अवश्य ही होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, गेंद की सामग्री को पानी को इसमें बहने की अनुमति अवश्य ही

देनी चाहिए। इसी तरीके से, जब आप नया जन्म पाते है, तब आपको अपने अंदर पवित्र आत्मा को अवश्य ही ग्रहण करना चाहिए और उसके साथ भर जाना चाहिए।

फिर से, पवित्र आत्मा से भरना एक बार का अनुभव नही है जोकि जीवनकाल मे एक ही बार होता है। इसके बजाय, यह एक निरंतर, दैनिक अनुभव है (इफिसियो ५:१८)। इसका संबंध उसकी उपस्थिति के प्रति आपकी चेतना और अपने जीवन में उसकी सेवकाई को नियमित रूप से पहचानने से है। स्तुति, प्रार्थना, वचन का अध्ययन और नियमित रूप से उसके निर्देशो और प्रेरणाओं का अनुसरण करने के द्वारा, जैसे ही आप उसके साथ अपनी सहभागिता में बढते है, वैसे ही आप नियमित रूप से पवित्र आत्मा से भर सकते है। इस तरीके से, आप परमेश्वर के आत्मा के द्वारा चलाए जा सकते है।

अन्य भाषाओं मे बोलना

जैसा कि मैने पहले उल्लेख किया, पवित्र आत्मा परमेश्वर की संतान को अन्य भाषाओं में बोलने के लिए शब्द देता है। एक चिह्न, जिसे परमेश्वर ने कहा कि वे विश्वासियों मे होगे, वह है कि वे अन्य भाषाओं में बोलेंगे (मरकुस १६:१७)।

यह एक आत्मिक और दैविय योग्यता है, जिसके द्वारा विश्वासी अपनी आत्मा से परमेश्वर के साथ सीधे बात करता है, और यह आपको पवित्र आत्मा के द्वारा एक उपहार के रूप मे दिया गया था।

अन्य भाषाओं में बोलना कुछ समय "आत्मा में प्रार्थना करना " कहलाता है। जब हम अन्य भाषाओं में बोलते है, तब हम सीधे परमेश्वर से बात करते है (१कुरिंथियो १४:४) और हमारी आत्मा की उन्नति होती है या बढ जाती है (यहूदा १:२०)। हमारी आत्माएँ स्फूर्तिक होती है और ताजा होती है (यशायाह ४०:३१)।

एक बार जब आप पवित्र आत्मा को ग्रहण कर लेते है, तब आप जब चाहे अन्य भाषाओं में बोल सकते है। वह आपके द्वारा नही बोलता है, किंतु वह आपको बोलने की योग्यता देता है। इसलिए आप आगे जा सकते है और जब चाहे तब अन्य भाषाओं

में परमेश्वर से बात कर सकते है।

जब आप अन्य भाषाओं मे बोलना शुरु करते है, तब आप अत्यधिक निपुण बन जाएँगे, जैसे ही आप इसे एक नियमित अभ्यास बनाते है। यह एक छोटे बच्चे की तरह है, जिसने हाल ही में अपने पहले कुछ शब्दो को बोला है। जितना अधिक वह बोलने का अभ्यास करता है, उतना ही अधिक वह निपुण बनता जाता है। अन्य भाषाओं में बोलने के साथ भी ऐसा ही है। यह एक नई भाषा है, और तथापि आपको इसे सीखने की आवश्यकता नही है, फिर भी जैसे ही आप निरंतर बोलेंगे, आप और अधिक निपुण बन जाएँगे।

जैसे ही आप अन्य भाषाओं मे अक्सर बोलते है, यह आपके आत्मिक विकास को बढाएगा और आपको परमेश्वर के आत्मा के दूसरे उपहारो और प्रत्यक्षिकरणो में ले जाएगा।

१३

क्या आपको कलिसिया अवश्य जाना चाहिए?

मत्ती १६:१८ में, यीशु ने उसकी कलिसिया के विषय में बोला, जो कि पृथ्वी पर उसका शरीर है, और कहा कि वह इसे बनायेगा और नरक के दरवाजे इसके विरुद्ध प्रबल नहीं होंगे।

"क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं और उस एक देह के सब अंग बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह है, उसी प्रकार मसीह भी है। क्योंकि हम सब ने यहूदी हो क्या यूनानी, क्या दास हो क्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया। इसलिये

कि देह में एक ही अंग नहीं परंतु बहुत से हैं, "
(१कुरिंथियो१२:१२-१४)।

हम शरीर हैं और मसीह सिर है। सभी मसीह (नये जन्में) उसके शरीर के सदस्य हैं, और एक दूसरे के (१कुरिंथियों१२:२७)। और जैसे मानवीय शरीर के विभिन्न भाग अकेले में ही काम नही कर

सकते, मसीह के विभिन्न सदस्य खुद ही प्रभावी रुप से काम नहीं कर सकते। यह इसलिये हैं क्योंकि परमेश्वर ने कलिसिया के सदस्यों को विभिन्न वरदान और बुलाहटे दी है, जिससे की पूरी कलिसिया को लाभ हो (१कुरिंथियो१२:१८-२४, इफिसियों४:११-१२)।

कलिसिया में उपस्थित होना इसलिए परमेश्वर की इच्छा का पालन करना है, और यह हमें एक दूसरे को परमेश्वर के विभिन्न वरदानो से आशिषित करने और बढाने के योग्य करता हैं -चमत्कारों, चंगाई, भविष्यवाणी इत्यादि। जो वचन सिखाया जाता है आप उसकी एक बेहतर समझ को प्राप्त करने, गवाहियो को सुनने और चमत्कारो की गवाही देने के योग्य हो जाते है। एक साथ प्रार्थना करना और परमेश्वर की आराधना करना पवित्र आत्मा के जुडे हुए अभिषेक को लाता हैं, एक विशेष रीति में जन समूह के हर सदस्य पर सेवकाई करते हुए (इब्रानियों१०:२५,

प्रेरितो के काम१:१४, भजन संहिता१३३:१-२)।

खुद ही परमेश्वर के वचन में चलना एक उच्च शिखरी कार्य हैं, जब आप एक आत्मा से भरे

कलिसिया में उपस्थित नहीं होते हैं। यद्यपि, ऐसी एक कलिसिया में पूर्णत: भाग लेना आपको कलिसिया और इसके सदस्यो के विषय में अधिक जानने के योग्य बनाता हैं। आप आनी आत्मा को (आपका आंतरिक मनुष्य) वयस्कता के लिए विकसित करने के योग्य होते हैं। यह आपको आसानी से वचन में चलाता हैं और अधिक फलदायी बनाता हैं।

एक मसीह के रुप में, आपको एक स्थानीय सभा में अवश्य ही जाने जाना चाहिए, एक कलिसिया जिसे आप अपना घर कह सको और गतिविधियों में पूर्णत: भाग ले सको। नहीं तो, आप परमेश्वर की बहुत सी आशिषों से चूक जाएँगे और उसके वचन के साथ रेखा से बाहर चल रहे होगे।

अब जब आप नये जन्में हैं, तो इस चेतना में चलो कि आप कौन हैं और संतो की सभा को मत भूलो (इब्रानियों१०:२५) कलिसिया को जाओ।

GROWING UP

बायबल कहती हैं कि जैसे ही आप परमेश्वर का वचन सुनते हैं विश्वास आपके पास आता है। आपके आत्मिक विकास के लिए मैं निम्नलिखित संदेशों की सलाह देता हूँ। ये संदेश आपको फलदायी और उत्पादक कैसे बनना हैं इसके लिए और वैसा ही करने के लिए अरपके हदय में विश्वास को बढाने के लिए डिजाईन किये गये हैं। उन्हें लिजिए। उनको सुनिए। वचन को काम पर रखिए और अपने जीवन में एक बदलाव को देखिए।

१. अब आप नये जन्में हैं (१टेप)
२. मसीहत को स्पष्ट करना
३. वचन में बढना
४. वस्यकता के लिए बढना
५. अपनी आत्मा को बनाना
६. आत्मा से भरे होना
७. वचन में विजय
८. मसीह में जीवन: नया सुपरमैन
९. मसीह में नया मनुष्य: एक परिचय

To contact the author write:
Pastor Chris Oyakhilome:

United Kingdom:
Unit C2, Thamesview Business Centre
Barlow Way, Rainham, RM13 8BT
Tel.: +44 (0)1708 556 604

South Africa:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Bram Fischer,
Randburg, Gauteng, South Africa.
Tel:+27-11-326 0971,
+27-11-326 0972

Nigeria:
Christ Embassy
Plot 97, Durumi District,
Abuja, Nigeria.

Nigeria:
Plot 22/23 Billings Way, Oregun,
Ikeja, Lagos.
Tel: +234-808 586 5700,
+234-817 198 7339
+234-802 478 9892-3

Please include your testimony or help received from this book when you write. Your prayer requests are also welcome.